मंगलवार
13 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

वजन घटाने के लिए इन 5 तरीकों से करें एलोवेरा का सेवन, जल्द दिखेगा असर

पृष्ठ 5

नूतन की पोती प्रनूतन को हॉलीवुड में मिला मौका

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 19
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

संसार मे सर्वाधिक शक्ति युवावस्था और नारी के सौंदर्य में होती है।

– चाणक्य

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गडकरी ने दी टनकपुर को 22 करोड़ की सौगात

विशेष संवाददाता

टनकपुर/हरिद्वार। अपने एक दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने आज जहां टनकपुर को 22 करोड़ की सात नयी विकास योजनाओं का शिलान्यास और भूमि पूजन कर बड़ी सौगात दी वहीं 282 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितिन गडकरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड के प्रति उनके विशेष स्नेह के लिए देवभूमि के लोग उनके सदैव ऋणी रहेंगे।

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के देवभूमि उत्तराखंड आगमन पर पंतनगर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनका स्वागत किया।

सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर कहा कि देवभूमि आकर उन्हें जिस तरह की सुखद अनुभूति होती है वैसा वह अन्य कहीं भी महसूस नहीं करते हैं। उन्होंने टनकपुर वासियों से कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

❑उत्तराखंड आकर होती है सुखद अनुभूतिः नितिन
❑मुख्यमंत्री धामी ने मोदी व गडकरी का आभार जताया

और अनिल बलूनी, अजय टम्टा जब मुझे आपके क्षेत्र की समस्याओं के बारे में जानकारी देते थे और बताते थे कि कहां-कहां किस तरह की समस्याएं हैं और उनका समाधान करने में हम क्या-क्या मदद कर सकते हैं तो मैने उनको सहयोग किया। मैं समझता हूं जिन योजनाओं पर अब तक काम पूरा हो चुका और जो योजनाएं अभी चल रही हैं इन सभी के पूरा होने से अगर आपकी 100 फीसदी नहीं तो 99 फीसदी समस्याओं का समाधान जरूर हो जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नितिन गडकरी का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आपके उत्तराखंड के प्रति सहज प्रेम के कारण ही निरंतर विकास की ओर हम बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग कई बार डबल इंजन सरकार की

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

भाव विभोर महेंद्र भट्ट बोले मेरी पार्टी ने दिया बड़ा सम्मान

विशेष संवाददाता

देहरादून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने आज राज्यसभा सदस्य के लिए अपना नामांकन पत्र भरा इस अवसर पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि पार्टी अपने कार्यकर्ताओं की कड़ी परीक्षा लेती है। अब मुझे और भी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा रही है इसका मतलब है मेरी और अधिक कड़ी परीक्षा होगी। लेकिन मैं किसी भी परीक्षा के लिए तैयार हूं।

महेंद्र भट्ट ने कहा कि मेरी पार्टी ने बड़ा सम्मान

❑राज्यसभा सदस्य के लिए किया नामांकन
❑पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाऊंगा कर्तव्य

और जिम्मेदारी मुझे दी है। मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को प्रदेश अध्यक्ष और अब राज्यसभा सांसद के

योग्य समझा गया मैं इसके लिए अपने केंद्रीय नेतृत्व का दिल से आभार व्यक्त करता हूं। पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्नेह का आभारी हूं।

उन्होंने कहा कि एक सीमांत क्षेत्र का विधायक रहने के कारण मैं सीमांत क्षेत्र की समस्याओं से अच्छी तरह से वाकिफ हूं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री इन दिनों सीमांत क्षेत्रों तक विकास पहुंचाने और सीमांत क्षेत्र के लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए जो काम कर रहे हैं उससे लोगों को लाभ मिला है इसे और आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

किसान आंदोलनः दिल्ली-एनसीआर में जगह-जगह लगा ट्रैफिक जाम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में किसान आंदोलन के चलते ट्रैफिक पर खास असर देखने को मिला। किसानों के दिल्ली चलो विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन का गेट बंद किया गया है। किसानों के दिल्ली चलो विरोध प्रदर्शन के कारण दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पर यातायात बाधित है। यहां पर भारी जाम की स्थिति बनी रही और गाड़ियां रेंग-रेंग कर चलती रहीं। किसानों के विरोध मार्च के मद्देनजर असईटीओ चौराहे पर दिल्ली पुलिस के जवान और बैरिकेड तैनात किए गए हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी में धारा 144 लागू लगा दी गई है। दिल्ली आनेवाली गाड़ियों की चेकिंग की जा रही है। दिल्ली कूच के लिए पंजाब से निकले किसानों को रोकने के लिए हरियाणा पुलिस पूरी तरह जुटी हुई है। इसी को देखते हुए कुरुक्षेत्र में कंक्रीट स्लैब, लोहे के तार, बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस और आरएएफ के जवानों को तैनात किया गया है।

हरियाणा-पंजाब के बीच शंभू बॉर्डर पर हरियाणा पुलिस ने किसानों पर आंसू गैस के गोले दागे

नई दिल्ली। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के किसानों ने अपनी कई मांगों के लिए दिल्ली चलो अभियान के तहत दिल्ली की ओर कूच कर दिया है। लगभग 200 किसान यूनियन के किसान 2500 ट्रैक्टर्स के साथ आगे बढ़ रहे हैं। किसानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर दिल्ली के सभी बॉर्डरों पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। इसी बीच हरियाणा-पंजाब के बीच शंभू बॉर्डर पर जबरदस्त बवाल देखने को मिला। शंभू बॉर्डर पर हरियाणा पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों पर आंसू गैस के गोले दागे हैं। पुलिस ने किसानों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। जिसके

बाद वहां भगदड़ के हालात बन गए हैं। पुलिस ने किसानों को 200 मीटर तक पीछे खदेड़ा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने सोमवार देर रात किसानों से बातचीत कर उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन कोई हल नहीं निकला। वहीं, सरकार दावा कर रही है कि किसानों के साथ ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बनी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अवसरवादी राजनीति की जीत

बिहार की राजनीति के सबसे बड़े धुरंधर नेता नीतीश कुमार ने एक बार फिर विश्वास मत जीत कर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपना कब्जा बनाए रखने में सफलता हासिल कर ली है। तमाम संभावनाओं और आशंकाओं के बीच हुए शक्ति परीक्षण में उन्होंने 130 वोटो के साथ विश्वास मत प्राप्त कर लिया। नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने और पांचवी बार विश्वास मत की कसौटी पर खरा उतरने वाले नीतीश कुमार को भले ही राजनीति के जानकार कुशल खिलाड़ी मानते हो लेकिन वास्तविकता यह है कि यह देश की राजनीति की एक बड़ी हार और अवसरवादी राजनीति की एक बड़ी जीत है। जिसमें सिर्फ और सिर्फ सत्ता शीर्ष पर बने रहने को राजनीति मान लिया गया है। अगर बात विश्वसनीयता की की जाए तो देश की राजनीति से उसका पूरी तरह से सफाया हो चुका है। अभी नीतीश कुमार की पहल पर ही बीते दिनों कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों द्वारा इंडिया नाम से गठबंधन बनाया गया था। भाजपा और पीएम मोदी को 2024 में सत्ता में आने से रोकने के लिए बनाए गए इस गठबंधन में नीतीश कुमार कहीं न कहीं स्वयं को पीएम बनाने का सपना संजोए बैठे थे लेकिन जब उन्हें इंडिया के जरिए अपना यह सपना पूरा होता नहीं दिखा तो वह एक बार फिर पलटी मार गए और फिर उसी एनडीए और भाजपा के पाले में जाकर खड़े हो गए। जिसमें वह पहले थे लोगों खासतौर पर बिहार की आम जनता को इस सवाल का जवाब जरूर ढूंढना चाहिए कि नीतीश को एनडीए से नाता तोड़कर राजद के साथ मिलकर सरकार बनाने की क्या जरूरत थी? और अब आरजेडी को झटक कर फिर भाजपा और राजग का दामन थामने की क्या मजबूरी थी। क्यों उन्हें लालू यादव की राजद और उनके घपले घोटाले की पहले से जानकारी नहीं थी? बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भले ही अपनी इस राजनीतिक उठा पटक को राज्य के हित या फिर राष्ट्रहित में बताकर लोगों को भ्रमित किया जा रहा हो लेकिन यह देश अवसरवादी राजनीति का ही एक ऐसा उदाहरण है जिसे बिहार ही नहीं पूरे देश की जनता को सबक के तौर पर लेना चाहिए। नेताओं और राजनीतिक दलों की इस अवसरवादी राजनीति ने सभी मर्यादाओं और लोकतंत्र की आत्मा को किस तरह छलनी किया है यह सत्य भी किसी से अब छिपा नहीं है अब जनादेश का भी इस देश की राजनीति में कोई अर्थ नहीं रह गया है आम आदमी भले ही किसी के भी पक्ष में जनादेश दे लेकिन सत्ता किसके पास रहेगी यह देश के अवसरवादी दल और नेता ही तय करेंगे। भले ही नीतीश कुमार विधानसभा में बहुमत साबित करने में पास हो गए हो लेकिन 2024 के चुनाव में क्या जनता बिहार की सभी 40 सीटों पर जीत के लिए उस जेडीयू व भाजपा के मंसूबों को पूरा होने देगी जिसके लिए यह खेला हुआ है यह आने वाला समय ही बताएगा।

तलाक को लेकर सुर्खियों में है ईशा देओल

मुंबई। ईशा देओल बॉलीवुड की एक मशहूर अभिनेत्री है और ड्रीम गर्ल यानी कि हेमा मालिनी की बेटी भी है। इसी के अलावा आपको बता दें कि इन दिनों ईशा देओल अपने तलाक को लेकर सुर्खियों में है। हाल ही में इस बात का खुलासा किया गया की एक्ट्रेस ने 12 साल बाद तख्तानी के साथ तलाक ले लिया है। हेमा मालिनी की बड़ी बेटी ईशा देओल के तलाक की खबरों को सुनकर हर कोई हैरान हो रहा है। लेकिन इस समय ईशा देओल का एक पुराना इंटरव्यू तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने इसमें बताया कि उनके पति को उनकी किस बात से परेशानी हुआ करती थी। इस दौरान उनके पति भरत तख्तानी भी मौजूद थे। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इस इंटरव्यू के दौरान भरत तख्तानी ने भी अपनी पत्नी ईशा देओल को घरेलू कह दिया था और उनकी काफी तारीफ भी की थी। बता दें कि ईशा देओल का यह इंटरव्यू तकरीबन 10 साल पुराना है। जिसमें उन्होंने कहा कि उनका हाल सत्ते पे सत्ता फिल्म की हेमा मालिनी की तरह है। जो कि सात कजिन्स के घर की बहू भी थी। फिल्म फेयर के साथ एक इंटरव्यू के दौरान ईशा देओल ने कहा कि उनके बढ़ते हुए वजन से भरत तख्तानी को परेशानी थी और वह नहीं चाहते थे कि उनका वजन बिल्कुल भी बढ़े। इसीलिए उन्होंने कहा था कि वह दोनों जल्दी ही अष्टांग योग क्लासेज जॉइन करेंगे। इसी इंटरव्यू में ईशा देओल ने बताया कि उनकी मां हेमा मालिनी ने उन्हें कुछ टिप्स दिए थे। जिस पर बात करते हुए ईशा देओल ने बताया कि उनकी मां हेमा मालिनी ने कहा था कि सुबह जल्दी उठना, सास की मदद करना और डांस प्रेक्टिस जारी रखना। भरत तख्तानी ने भी इंटरव्यू के दौरान ईशा देओल की काफी तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि एक्ट्रेस खुद को अपने घर का बड़ा बेटा समझती है। वह काफी घरेलू है और उनकी जरूरत का पूरा ध्यान भी रखती हैं। भरत तख्तानी ने आगे यह भी कहा कि ईशा देओल काफी फूडी है और उन्हें खाना बनाना नहीं आता पर उनकी पसंदीदा डिश बनाना ईशा देओल ने सीख लिया है।

सोमस्य धारा पवते नृचक्षस ऋतेन देवान्हवते दिवस्परि।
बृहस्पते रवथेना वि दिद्युते समुद्रासो न सवनानि विव्यचुः।।
(ऋग्वेद ९-८०-१)

ज्ञान और आनंद का दिव्य सोम हमें पवित्र करें और हमें ज्ञान प्रदान करें, जिससे कि हम मानवता के कल्याण के कार्य कर सकें। दिव्य सोम हमारे अंदर दिव्य गुण स्थापित करें। हम दीर्घ जीवन बिताने वाले बनें।

अलवर से मैडल जीतकर आये खिलाडियों को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। 19वीं राष्ट्रीय ओपन स्वर्गीय युवरानी महेन्द्र कुमारी स्मृति प्रतियोगिता अलवर (राजस्थान) से मैडल जीतकर आये खिलाडियों को कांग्रेस नेताओं ने सम्मानित किया।

आज यहां दो दिवसीय 19वी राष्ट्रीय ओपन स्वर्गीय युवरानी महेंद्र कुमारी स्मृति प्रतियोगिता अलवर (राजस्थान) में जनपद देहरादून के 6 खिलाडियों द्वारा अपनी ऐतिहासिक जीत दर्ज करने एवं गोल्ड,सिल्वर एवम ब्रांज मैडल जीतने पर विजेताओं को उत्तराखंड कॉंग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक चकराता प्रीतम सिंह द्वारा गोविंदगढ़ में पूर्व पार्षद चरणजीत कौशल के निवास पर सभी विजेताओं श्रीमती उमा कोठरी 65+, विजयराज सिंह बिष्ट, कमल रावत, अक्षांत नेगी, अविरल नेगी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रीतम सिंह ने कहा की शिक्षा के साथ साथ बच्चों और युवाओं को प्रतियोगिता खेलो में भी रुचि होना बहुत आवश्यक होता है, क्योंकि कोई प्रतियोगिता जीतने पर खिलाड़ियों को एक नई पहचान तो मिलती है इसके साथ साथ उनके स्वास्थ्य में लाभ मिलता है। प्रीतम सिंह ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते व उनका हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जिस तरह आज इन्होने देहरादून का मान बढ़ाया है उसी तरह भविष्य में होने वाली राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में अपने देश का भी मान बढ़ाएंगे। इस मौके पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को अपनी विजय पर बधाई देते है कहा कि सभी खिलाड़ियों ने देहरादून के साथ साथ उत्तराखंड का भी नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में गुरुचरन कौशल, संगीता गुप्ता (पार्षद), कोमल वोहरा (पार्षद), अमृता कौशल, अनुराग गुप्ता, पवन चौहान, त्रिलोचन जस्सल, हरजीत सिंह, अचिन सेठी, कपिल सोनकर, कमल कन्नौजिया, याकूब अली, अशोक कुमार, जतिन कौशल, लक्ष्य कौशल उपस्थित रहे।

आईपीएस अधिकारी बनकर ठगे 60 हजार रुपये

देहरादून (सं)। आईपीएस अधिकारी बनकर 60 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार यमुना कालोनी निवासी गंगा देवी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर एक कॉल आयी और कॉल करने वाले ने स्वंय को आईपीएस अधिकारी बताते हुए कहा कि उसके पुत्र पर नेहरू कालोनी थाने में बलात्कार का मुकदमा दर्ज हो गया है। अगर वह अपने पुत्र को बचाना चाहती है तो उसको पैसे भेज दो। उसने अपने पुत्र को बचाने के चक्कर में उक्त व्यक्ति को 60 हजार रूपये गूगल पे कर दिये। बाद में उसको पता चला कि वह फर्जी व्यक्ति था तथा उससे ठगी हो गयी है।

कोटक महिंद्रा बैंक का अधिकारी बताकर ठगे पौने दो लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। कोटक महिंद्रा बैंक का अधिकारी बनकर लिमिट बढाने के नाम पर पौने दो लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रिस्पना करनपुर निवासी प्रशान्त प्रेमी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर एक कॉल आयी और कॉल करने वाले ने अपने आपको कोटक महिंद्रा बैंक अधिकारी बताया। उसने उसके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढाने के लिए कहा तथा उससे उसका ओटीपी नम्बर प्राप्त कर लिया। जिसके बाद उसको बैंक से मैसेज आया कि उसके खाते से एक लाख 76 हजार 491 रूपये निकल गये हैं। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ साइबर ठगी हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

छात्रा पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी और उसका दोस्त गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। ट्यूशन पढ़कर आ रही छात्रा पर समुदाय विशेष के एक युवक द्वारा अपने साथी के साथ मिलकर उसकी हत्या का प्रयास किया गया। आरोपी युवक द्वारा एक तरफा प्यार के चलते छात्रा की हत्या की कोशिश की गयी। जिसे पुलिस ने उसके साथी सहित गिरफ्तार कर लिया है।

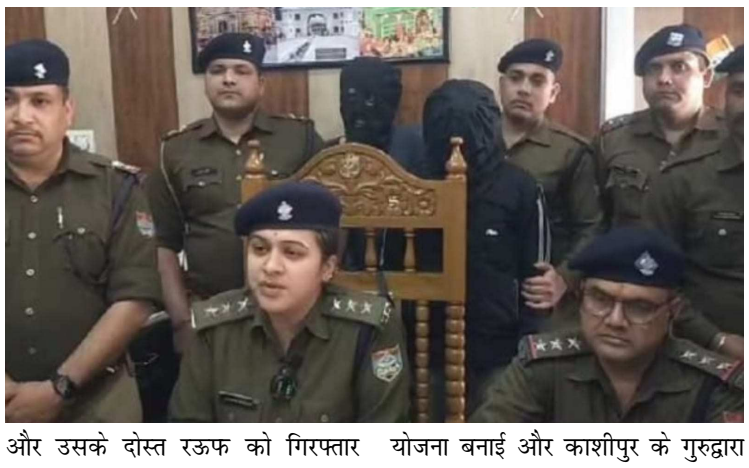

बता दे कि बीती शाम काशीपुर के गुरुद्वारा रोड पर अपनी बहन के साथ ट्यूशन पढ़कर आ रही छात्रा पूजा को कटोराताल निवासी फरदीन ने हत्या की नियत से धारदार हथियार से ताबड़तोड़ तरीके से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिसको राहगीरों ने घायल अवस्था में यहां के राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। घटना की तहरीर छात्रा के पिता मोहल्ला खालसा निवासी खूब सिंह ने कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना के 8 घंटे के भीतर हमलावर फरदीन और उसके दोस्त रऊफ को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

यहां बता दे कि इन दोनों में एक तरफा प्रेम प्रसंग चल रहा था, किसी बात को लेकर दोनों में कहां सुनी हो गई, इसी के चलते फरदीन ने उसकी हत्या करने का षड्यंत्र रच डाला । आज कोतवाली परिसर में घटना का खुलासा करते हुए सीओ अनुष्का बडोला ने बताया कि आरोपी फरदीन ने अपने मित्र रऊफ के साथ मिलकर उसकी हत्या की योजना बनाई और काशीपुर के गुरुद्वारा रोड पर जब वह ट्यूशन से अपनी बहन के साथ घर वापस जा रही थी इसी दौरान उसके ऊपर धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को घटना के मात्र 8 घंटे के भीतर घटना का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को धर दबोचा। आज पुलिस ने संबंधित धाराओं में दोनों का चालान कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

नो एंट्री 2 में हुई दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर की एंट्री

अनीस बज्मी की रोमांस और कॉमेडी से भरपूर फिल्म नो एंट्री (2005) ने रिलीज के बाद धमाल मचा दिया था और दर्शकों को हंसाने में सफल रही थी।फिल्म में सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान की तिकड़ी शामिल थी, जिसे इसके सीक्वल में फिर से देखने की मांग की जा रही थी।अब प्रशंसकों के लिए खुशी की खबर आई है कि नो एंट्री 2 की शूटिंग जल्द शुरू होगी। हालांकि, इस बार इसमें नए सितारे शामिल होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, बोनी कपूर और जी स्टूडियोज ने नो एंट्री 2 पर साझेदारी करने के साथ ही सितारों का भी चयन कर लिया है।अनीस फिल्म में लेखक और निर्देशक की जिम्मेदारी संभालेंगे तो इस बार वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ दर्शकों को हंसी का डोज देंगे।सूत्र का कहना है कि तीनों सितारों को स्क्रिप्ट पसंद आई है और वे इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहानी के लिए अपनी सहमति दे दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, बोनी और अनीस पिछले 6 महीनों में कई बार वरुण, अर्जुन और दिलजीत से मुलाकात कर चुके हैं। सभी का मानना है कि दूसरा भाग कॉमेडी के मामले में पहले से बेहतर होगा।सूत्र ने कहा कि नो एंट्री 2 की स्क्रिप्ट ने सभी को उत्साहित कर दिया है और इसकी शूटिंग दिसंबर, 2024 में शुरू हो जाएगी।इसके अलावा अगले साल पहले भाग की रिलीज के 20 साल पूरे होने पर यह दर्शकों के बीच आएगी। नो एंट्री में सलमान, अनिल और फरदीन के साथ ईशा देओल, सेलिना जेटली और लारा दत्ता मुख्य भूमिका में थीं।इसकी कहानी किशन (अनिल), प्रेम (सलमान) और सनी (फरदीन) की थी, जिसमें किशन अपनी पत्नी के प्रति वफादार रहता है तो प्रेम अपनी पत्नी को बार-बार धोखा देता है। इस सबके बीच प्रेम बॉबी नाम की एक लड?ी से किशन को मिलवाता है, जिसके बाद कहानी में हंसी-मजाक के साथ उलझन पैदा होती है।इसे जी5 पर देख सकते हैं। नो एंट्री 2 के लिए इन 3 अभिनेताओं के अलावा बाकी सितारों की कास्टिंग चल रही है, जिसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होगी।इस फिल्म से पहले वरुण वीडी 18 में नजर आएंगे तो उनके पास शशांक खेतान और डेविड धवन की फिल्में भी हैं।दिलजीत, परिणीति चोपड़ा के साथ फिल्म चमकीला का हिस्सा हैं तो उनकी झोली में द क्रू और जाट एंड जूलिएट 3 भी है।इसके अलावा अर्जुन 15 अगस्त को आने वाली सिंघम अगेन का हिस्सा हैं।

विश्वक सेन की फिल्म गामी का फर्स्ट लुक जारी

मास का दस विश्वक सेन एक महत्वाकांक्षी स्टार हैं जिन्होंने अपने छोटे से करियर में दर्शकों के बीच बड़ी छाप छोड़ी है। नियमित व्यावसायिक मनोरंजन करने के अलावा, वह अनूठी अवधारणाओं के साथ भी प्रयोग कर रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म, गामी, विद्याधर कगीता द्वारा निर्देशित और कार्तिक कल्ट क्रिएशंस पर कार्तिक सबरीश द्वारा निर्मित ऐसी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। वी सेल्युलाइड फिल्म प्रस्तुत करता है जिसे एक साहसिक ड्रामा माना जाता है। फिल्म को भीड़ द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

गामी कई वर्षों से बन रही है। इस बीच, निर्माताओं ने हैदराबाद कॉमिक कॉन में शानदार फर्स्ट लुक पोस्टर का अनावरण करके प्रचार शुरू कर दिया। अघोर के वेष में विश्वक सेन आश्चर्यचकित कर देते हैं। जबकि उनका किरदार एक फटी हुई देसी काली पोशाक में लिपटा हुआ है, वह कई अघोरों से घिरा हुआ है जो उसे छूने की कोशिश करते हैं। यह पोस्टर रोंगटे खड़े कर देने वाला है और इसमें गहरा रहस्यमयी एहसास है। यह दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता पैदा करता है। निर्माताओं ने यह भी घोषणा की कि इस फिल्म में विश्वक सेन शंकर नाम के एक अघोर का किरदार निभा रहे हैं, जिसकी एक बहुत ही दुर्लभ स्थिति है- किसी भी मानवीय स्पर्श का अनुभव करने में असमर्थता। पोस्टर पर टैगलाइन, उसका सबसे बड़ा डर, मानवीय स्पर्श है... उसकी सबसे गहरी इच्छा, मानवीय स्पर्श भी है उस चरित्र के भावनात्मक संघर्ष की गहराई पर जोर देती है। निर्माताओं ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म- अघोरा सेटअप के अलावा, दो अलग-अलग सेटअप और अन्य पात्र हैं, और उन्हें प्रचार के दौरान अनावरण किया जाएगा। कलर फोटो फेम चांदनी चौधरी प्रमुख महिला हैं, जबकि एम जी अभिनय, हरिका पेदादा और मोहम्मद समद प्रमुख कलाकार हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी विश्वनाथ रेड्डी और रैम्पी नंदीगम ने की है, संगीत नरेश कुमारन ने दिया है और पटकथा विद्याधर कगीता और प्रत्यूष वात्यम ने लिखी है।

माइग्रेन से पाना है छुटकारा तो अपनाए ये उपाय...

आज की व्यस्त व तनावपूर्ण जीवनशैली में सिर में दर्द होना एक बेहद आम समस्या है और अमूमन हम सभी कभी न कभी इससे जूझते हुए नजर आते हैं। लेकिन जब यह समस्या बढ़ जाती हैं तो माइग्रेन बन जाती है। माइग्रेन की समस्या यानी बार-बार होने वाला तेज सिर दर्द, जो दिमाग के आधे हिस्से में होता है और 1 दिन से लेकर तीन दिन तक बना रह सकता है। अगर आपका कोई करीबी माइग्रेन के दर्द से पीड़ित है तो ये घरेलू उपाय दर्द से राहत दिलाने में मदद करेंगे। माइग्रेन से छुटकारा पाने के लिए और थोड़ी राहत पाने के लिए इन आसान उपायों को अपनाएं।

माइग्रेन के लक्षणों का अनुभव करें:

अक्सर यह भी देखा जाता है कि लोग यह समझ ही नहीं पाते कि उन्हें सामान्य सर में दर्द है या माइग्रेन की समस्या है। इसलिए माइग्रेन के लक्षण को समझना जरूरी है। अगर पूरे सर में तेजी से दर्द हो रहा है, तेज आवाज, रोशनी, खुशबू इत्यादि से सर में दर्द हो रहा है। साथ ही उल्टी आ रही है, बेचैनी सी लग रही है, किसी काम में मन नहीं लगता, भूख कम लगती है, तो यह माइग्रेन के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

मसाज: माइग्रेन के दर्द से राहत पाने का यह एक सबसे आसान और प्रभावी तरीका है। जब भी आपको सिर में तेज दर्द का अहसास हो तो आप ऑयल को हल्का सा गर्म करके उससे सिर की मसाज करें। दरअसल, मसाज करने से सिर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिसके कारण सिरदर्द से आराम मिलता है। रोशनी से बचें :जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या हो उन्हें ज्यादा रोशनी के बीच नहीं रहना चाहिए क्योंकि इससे दर्द और बढ़ता है। इसलिए अपने आसपास की रोशनी को कम कर दें या कोई चश्मा पहन लें।

एक्सरसाइज: योग, एक्सरसाइज और नियमित रूप से व्यायाम करने से हमारे शरीर में एक तरह के हार्मोन का निर्माण होता है। जिसे एंडॉर्फिन हार्मोन कहते हैं। यह एंडॉर्फिन हार्मोन हमें खुशी प्रदान करता है। हमे अंदर से खुशनुमा बनाता है और दर्द को दूर भगाता है। ये एक तरफ से नैचुरल दर्द निवारक भी है।

इसलिए व्यायाम और योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। लेकिन यह ध्यान रखें कि योग और व्यायाम करने से पहले थोड़ी स्ट्रैचिंग और वार्मअप जरूरी है। क्योंकि अचानक से किया गया योग और एक्सरसाइज भी आपके लिये ट्रिगर का काम करता है, इसलिए इसे धीरे-धीरे बढ़ाएं।

गुरु रंधावा की पहली फिल्म कुछ खट्टा हो जाए का पहला गाना जीना सिखाया जारी

गायक और संगीतकार गुरु रंधावा फिल्म कुछ खट्टा हो जाए के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं।फिल्म में रंधावा की जोड़ी सई मांजरेकर के साथ बनी है।7 फरवरी को फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसकी कहानी रोमांस और कॉमेडी से भरपूर है।अब कुछ खट्टा हो जाए का पहला गाना जीना सिखाया जारी कर दिया गया है। इसमें रंधावा और सई एक-दूसरे के इश्क में डूबे नजर आ रहे हैं।

कुछ खट्टा हो जाए के पहले गाने जीना सिखाया को रंधावा ने परंपरा टंडन के साथ मिलकर गाया है। इस गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं।यह फिल्म 16 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान जी अशोक ने संभाली है।फिल्म में दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।इला अरुण, अतुल श्रीवास्तव, परेश गनात्रा और परितोष त्रिपाठी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

गाने के बारे में बात करते हुए सई ने कहा, जीना सिखाया एल्बम व्यक्तिगत रूप से मेरा पसंदीदा है। यह एक भावपूर्ण गाना है, और इसे बहुत खूबसूरती से गाया गया है। अभिनेत्री ने कहा कि यह गाना भावनाओं से भरपूर है। मुझे उम्मीद है कि लोग जीना सिखाया को भी पसंद करेंगे।

सई और गुरु रंधावा-स्टारर कुछ खट्टा हो जाए आगरा पर आधारित है, यह रोमांटिक कॉमेडी एक आधुनिक जोड़े इरा मिश्रा (सई) और हीर चावला (गुरु) और उनके परिवारों के बारे में है जो दर्शकों को हंसाएंगी। फिल्म का संगीत एल्बम काफी शानदार है।

साड़ी में चाहिए एकदम ट्रेडिशनल, ग्रेसफुल और परफेक्ट लुक

साड़ी एक ऐसा अटायर है जिसे हम कभी भी पहन सकते हैं, रेगुलर वियर से लेकर ऑफिस, पार्टी में और शादी में भी साड़ी कैरी कर सकते हैं. लेकिन कई बार ऐसा होता है कि जब हम साड़ी ड्रेप करते हैं, तो साड़ी ठीक तरीके से ड्रेप नहीं हो पाती और इसमें हमारा फिगर भी अजीब सा नजर आता है, जबकि सेलिब्रिटीज की साड़ी स्टाइल देखी जाए तो वह बहुत अ'छी तरह से साड़ी कैरी करती हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं सेलिब्रिटीज स्टाइल साड़ी कैरी करने के 5 टिप्स जिससे आपकी साड़ी एकदम परफेक्ट रहेगी.

पल्लू खुला रखें

अगर आप चाहती हैं कि आपकी साड़ी में आपका वजन बहुत 'यादा ना दिखें और आप अपने फैट को छुपाना चाहते हैं, तो प्लीट्स ना डालते हुए इसे ओपन रखें और खुले पल्ले की साड़ी पहनें.

अपने वेट के अकॉर्डिंग साड़ी चुनें

साड़ी को सिलेक्ट करते टाइम आपको अपने फिगर को ध्यान में रखना चाहिए, अगर आपका वेट कम है तो आप हैवी साड़ी चुनें जिसमें बनारसी से लेकर कॉटन की साड़ी आप चुन सकती हैं. वहीं, अगर आपका वजन 'यादा है तो आप लाइट वेट साड़ी जिसमें शिफॉन, जॉर्जेट जैसी साड़ी आप चुन सकते हैं.

पेटीकोट की जगह शेपवियर ट्राई करें

अगर आप चाहती है कि आपकी साड़ी एकदम सेलिब्रिटी स्टाइल लगे और इसमें आपका फिगर भी फ्लॉन्ट करें तो आप साड़ी के साथ पेटीकोट पहनने की जगह बॉडी फिटेड शेपवियर पहन सकती हैं. आप कोई भी बेसिक कलर का शेपवियर ले सकती है जो आपकी 'यादातर साडि?ों पर चला जाए.

कलर्स का रखें खास ध्यान

अगर आप साड़ी कैरी कर रहे हैं, तो आपको हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि आप किस रंग की साड़ी पहन रहे हैं. बहुत 'यादा डार्क कलर की साड़ी पहनने से बॉडी स्लिम नजर आती है. वहीं, अगर आप हल्के रंग की साड़ी पहनते हैं तो आपका वजन 'यादा दिखता है.

बहुत 'यादा छोटी प्लीट्स ना बनाएं

साड़ी में जब आप कमर के पास प्लीट्स बनाते हैं, तो उसे बहुत 'यादा छोटा ना बनाएं. बड़ी-बड़ी प्लीट्स लेकर इसे समान रूप से अंदर टक करें और बाद में एक स्ट्रेटनर की मदद से अपनी प्लीट्स को जमा लें. (आरएनएस)

ये दोस्ताना आलोचना है

अमेरिकी राजदूत ने आत्म-निर्भर भारत की नीति पर सवाल खड़े किए हैं। इसे इस रूप में भी देखा जा सकता है कि अब आत्म-निर्भरता की नीति और पश्चिमी अर्थव्यवस्था से भारत के जुड़ाव की प्राथमिकता के बीच तीखा अंतर्विरोध खड़ा हो रहा है। इन दिनों पश्चिमी हस्तियों और मीडिया के बीच आम ट्रेंड आर्थिक मामलों में भारत को एक चमकती संभावना बताने का है। इसके पीछे एक वजह तो यह है कि उन देशों की कंपनियों को भारत के उच्च एवं उच्च-मध्यम वर्ग में एक लाभदायक बाजार नजर आता है। उनका दूसरा मकसद भारत को चीन के बरक्स खड़ा कर एक समानांतर कथानक प्रचारित करना है। इसलिए जब कोई जिम्मेदार पश्चिमी अधिकारी भारत की आर्थिक स्थिति या नीतियों की आलोचना करता हो, तो यह बात ध्यान खींचती है। बेहतर होगा कि भारत के सत्ता प्रतिष्ठान से जुड़े लोग भी ऐसी प्रतिकूल टिप्पणियों में निहित अर्थ एवं संदेशों को समझने की कोशिश करें। ऐसी एक आलोचना पिछले हफ्ते भारत स्थित अमेरिकी राजदूत एरिक गारसेटी से सुनने को मिली। जाहिर है, उन्होंने ये बातें पश्चिमी हितों के नजरिए से कीं। लेकिन हकीकत तो यही है कि भारत की वर्तमान अर्थनीति में पश्चिमी पूंजी और बाजार का बड़ा महत्त्व बना हुआ है।

गारसेटी ने भारत के टैक्स नियमों, निर्यात नियंत्रण, और बौदधिक संपदा संरक्षण की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन मोर्चों पर बिना सुधार किए पश्चिमी देशों से भारत अधिक गहरे आर्थिक रिश्ते नहीं बना पाएगा। गारसेटी ने कहा कि इन कारणों से बहुत सारा निवेश भारत को नजरअंदाज कर वियतनाम जैसे दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में चला जा रहा है। उन्होंने आगाह किया कि यह आग्रह देश के आर्थिक विकास की गति को धीमा कर सकता है कि हर चीज भारत में ही बननी चाहिए। तो जाहिर है कि अमेरिकी राजदूत ने नरेंद्र मोदी सरकार की आत्म-निर्भर भारत की नीति पर सवाल खड़े किए हैं। इसे इस रूप में भी देखा जा सकता है कि अब आत्म-निर्भरता की नीति और पश्चिमी अर्थव्यवस्था से भारत के जुड़ाव की प्राथमिकता के बीच तीखा अंतर्विरोध खड़ा हो रहा है। यानी ज्यादा समय तक इन दोनों मकसदों में तालमेल बनाकर चलना आसान नहीं होगा। यह भारत सरकार को तय करना होगा कि उसे आत्म-निर्भर भारत बनाना है, या पश्चिमी अर्थव्यवस्था से जुडकर चलना है। आत्म-निर्भर बनना है, तो फिर अर्थव्यवस्था के पूरे स्वरूप को उसी उद्देश्य के अनुरूप ढालना होगा। (आरएनएस)

गर्भ को गिराने की अनुमति देने से इनकार

अजय दीक्षित

सर्वोच्च अदालत ने 26 साल की महिला को 32 हफ्ते के गर्भ को गिराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा मेडिकल वोर्ड ने कहा है कि भ्रूण में कोई असमान्यता नहीं है। महिला ने बीते अक्टूबर में अपने पति को खो दिया था। उसके कुछ हफ्ते बाद पता चला कि वह गर्भवती है। अदालत ने 23 जनवरी के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि यह 32 सप्ताह का भ्रूण है। इसे कैसे समाप्त किया जा सकता है? मेडिकल बोर्ड ने कहा इसे समाप्त नहीं किया जा सकता। केन्द्र सरकार यह सुनिश्चत करे कि प्रक्रिया सुचारू रूप से व जल्द हो। महिला के वकील का तर्क है कि वह विधवा है, उसे जीवन भर आघात सहना होगा। वह बच्चे को जन्म देगी तो उसकी इच्छा के खिलाफ होगा। वह अवसाद पीड़ित बताई गई। मगर एम्स मेडिकल बोर्ड ने गर्भावस्था या प्रसव का उसके मानसिक स्वास्थ्य पर कोई असर न पडने की बात कही है। अब वाकई में काफी देर हो चुकी है। गर्भपात के नाम पर जीवित बच्चे को निकालना क्रूरता होगी। 32 सप्ताह यानि आठ माह, जबकि सात महीने में ही कई बार सामान्य प्रसव हो जाता है और जच्चा- बच्चा दोनों स्वस्थ रहते हैं। व्यावहारिक तौर पर कोई भी स्त्री गर्भ रखने या न रखने के लिए पूर्णतः स्वतंत्र है। मगर इन स्थितियों में, जब उसे अपने मृत पति की निशानी रखने में किसी भी तरह की असुविधा है तो उसे यह काफी पहले ही निश्चित करना था। हालांकि चिकित्सकीय रूप से अवसादग्रस्त मां का असर नवजात की मानसिक दशा पर पडने की संभवना से इनकार नहीं किया जा सकता, परन्तु इस मामले में ऐसा नहीं है। अपने समाज में बाल-बच्चेदार विधवा से व्याह को राजी होने वाले पुरुष बहुत कम हैं। दूसरे बच्चे के पालन-पोषण को लेकर वह आशंकित हो सकती है। मामला वास्तव में बेहद पेचीदा कहा जा सकता है। मगर गर्भपात के निर्णय में की गई देरी की कीमत ने उसे प्रसव के लिए मजबूर कर दिया। अदालत के निर्णय के अनुरूप बच्चे को गोद देने के लिए राजी होना उचित होगा। हालांकि यह निर्णय भी कम कठिन नहीं होगा। नवजात को गोद में लेते ही जच्चा के भीतर का वात्सल्य जो उमड़ पड़ता है। अंततः निर्णय उसका अपना ही होगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

वजन घटाने के लिए इन 5 तरीकों से करें एलोवेरा का सेवन, जल्द दिखेगा असर

एलोवेरा एक ऐसा प्राकृतिक घटक है, जिसमें मौजूद विटामिन-क्र मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर शरीर की वसा को जलाने में मदद कर सकता है। इस तरह से ये वजन घटाने में कारगर है।इसके अतिरिक्त कुछ शोध के अनुसार, आप वजन घटाने और मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी समस्याओं के इलाज के लिए भी एलोवेरा का उपयोग कर सकते हैं।आइए जानते हैं कि वजन घटाने के लिए एलोवेरा का सेवन किन-किन तरीकों से किया जा सकता है।

भोजन करने से पहले करें एलोवेरा के जूस का सेवन

वजन कम करने के लिए आपको नियमित रूप से भोजन से लगभग 15 मिनट पहले एक चम्मच एलोवेरा जूस का सेवन करना चाहिए। ऐसा करने से आपका वजन तेजी से कम होने लगेगा।इससे पाचन को सुधारने और आंतों को स्वस्थ रखने में भी मदद मिल सकती है। इसके अतिरिक्त शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में प्रभावी हो सकता है।यहां जानिए एलोवेरा के फायदे और नुकसान।

सब्जियों के जूस में एलोवेरा को मिलाकर पीएं

अगर आप सीधा एलोवेरा का सेवन नहीं कर पाते हैं तो इसे सब्जियों के जूस में मिलाकर पीएं।इस जूस को बनाने के लिए पुदीने के पत्ते, पालक, गाजर, लौकी और धनिया को पानी के साथ ब्लेंडर में ब्लेंड करें। इसके बाद इसमें थोड़ा एलोवेरा डालें, फिर जूस को छानकर एक गिलास में डालें।अब जूस में नींबू का रस, काला नमक और जीरा पाउडर मिलाकर इसका सेवन करें।

गुनगुने पानी में एलोवेरा मिलाएं

आप रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच एलोवेरा जूस मिलाकर भी इसका सेवन कर सकते हैं। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।यह मिश्रण तुरंत ही मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया बढ़ाने में मदद करता है, जिससे कैलोरी कम होती है।यहां जानिए गर्म पानी के सेवन से मिलने वाले अन्य स्वास्थ्य लाभ।

एलोवेरा में थोड़ा शहद मिलाएं

वजन कम करने के लिए आप एलोवेरा जूस को शहद के साथ मिलाकर भी सेवन कर सकते हैं। इसके लिए एक बड़ी चम्मच एलोवेरा में कुछ बूंदें शहद मिलाएं, इससे इसका स्वाद बेहतर हो जाएगा।इस मिश्रण के नियमित सेवन से शरीर में एंटीबॉडीज का निर्माण होता है, जिससे कई बीमारियों की रोकथाम में फायदा मिलता है। यह आपको किसी भी संक्रमण के नुकसान से जल्द राहत दिलाने में भी मदद कर सकते हैं।

नींबू पानी में एलोवेरा मिलाएं

नींबू और एलोवेरा का मिश्रण भी वजन घटाने और पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है।इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक जग में पानी, नींबू का रस, एलोवेरा का गूदा, काला नमक, भुना जीरा पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर पीएं।यहां जानिए रोजाना एक गिलास नींबू पानी पीने के सेवन से मिलने वाले फायदे। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 70

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

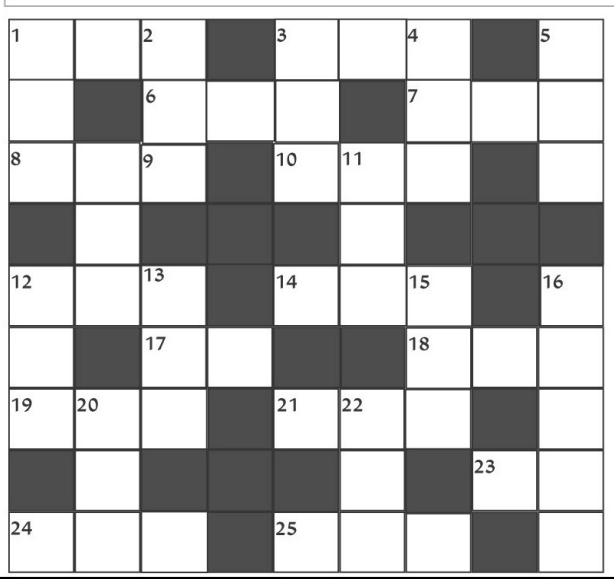

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 69 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

बस्तर द नक्सल स्टोरी : वामपंथियों-नक्सलियों से निपटने के लिए तैयार अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा को द केरल स्टोरी की वजह से खूब लोकप्रियता मिली। द केरल स्टोरी की सफलता के बाद निर्माता विपुल अमृतलाल शाह, निर्देशक सुदीप्तो सेन और अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी अगली फिल्म के लिए फिर जुड़े। उन्होंने बस्तर द नक्सल स्टोरी के लिए हाथ मिलाया। अब फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है और सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां भी बटोर रहा है। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित और सुदीप्तो सेन के जारी निर्देशित अदा शर्मा की फिल्म बस्तर द नक्सल स्टोरी का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। अब निर्माताओं ने फिल्म का टीजर रिलीज कर फैंस को और अधिक उत्साहित कर दिया है। फिल्म के टीजर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। यह फिल्म अब 15 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। टीजर में अदा शर्मा कहती हैं, पाकिस्तान के साथ हुए चार युद्धों में आठ हजार सात सौ अड़तीस जवान शहीद हुए हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि हमारे देश के अंदर नक्सलियों ने 15 हजार से ज्यादा जवानों की हत्या की है। बस्तर में हमारे 76 जवानों को नक्सलियों ने बहुत ही क्रूरता से मारा था और तब इसका जश्न मनाया गया था जेएनयू में। सोचिए हमारे देश की इतनी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी , हमारे जवानों की शहादत पर जश्न मनाती है । कहां से आती है ऐसी सोच? बस्तर में भारत के टुकड़े करने की साजिश कर रहे हैं ये नक्सली और उनका साथ दे रहे हैं, बड़े शहरों में बैठे वामपंथी। इन वामपंथियों को सड? पर खड़ा कर गोली मार दूंगी। चढ़ा देना फांसी पर। फिल्म में अदा शर्मा नीरजा माधवन की भूमिका में नजर आएंगी। अदा ने टीजर शेयर करते हुए लिखा, निर्दोष लोगों के खून से लाल रंग की एक कहानी ! अनकही कहानी कैद करें... बस्तर - नक्सली कहानी। अब टीजर आउट ! पिछले अक्टूबर से शुरू होकर दो महीने के भीतर फिल्म शूटिंग पूरी हो गई। सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले आशिन ए. शाह द्वारा सह-निर्मित यह फिल्म शुरुआत में 5 अप्रैल, 2024 को रिलीज होने वाली थी। अब 15 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पुनर्निर्धारित की गई है।

सिनेमाघरों में हनु मैन का जलवा कायम, वीकेंड में फिर आया उछाल

तेजा सज्जा की माइथोलॉजिकल फिल्म हनु मान ने बॉक्स ऑफिस पर खूब गरदा काटा. 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है. सुपरहीरो पर बेस्ड इस तेलुगू फिल्म में तेजा सज्जा ने अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीत लिया है. वहीं फिल्म के शानदार वीएफएक्स की भी जमकर तारीफ हो रही है. यही वजह है कि फाइटर के सामने भी ये फिल्म डट कर खड़ी है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की. ओपनिंग डे पर 8.०5 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली हनु मान ने एक हफ्ते के अंदर ही 1०० करोड़ का आंकड़ा छू लिया था. बीच में फिल्म का कलेक्शन थोड़ा डगमगाता हुआ नजर आया. लेकिन अब शनिवार के कारोबार में अच्चा-खासा उछाल देखा जा सकता है. तो आइए जानते हैं फिल्म ने अपनी तीसरे शनिवार को कितना कलेक्शन किया है. रिपोर्ट के मुताबिक 'हनु मान' ने रिलीज के तीसरे शुक्रवार यानी 23वें दिन 3.5० करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'हनु मान' की 23 दिनों की कुल कमाई अब 185.3० करोड़ रुपये हो गई है. वहीं तेजा सज्जा की ये फिल्म जल्द ही घरेलू क बॉक्स ऑफिस पर 2०० करोड़ के क्लब में शामिल हो सकती है. बता दें कि हनु मान के साथ बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्मों का क्लैश हुआ, लेकिन तेजा सज्जा की इस सुपरहीरो फिल्म ने सभी को मात देते हुए कमाई में मामले में सबसे आगे निकल पड़ी. इनमें महेश बाबू की गुंटूर कारम, शिवकार्तिकेय की अयलान और धनुष की कैप्टन मिलर जैसी फिल्में शामिल थी. महज बजट 2० करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने उम्मीद से ज्यादा कमाई कर सभी को हैरान कर दिया है. वहीं फिल्म के स्टार कास्ट की बात करें तो तेजा सज्जा के अलावा हनु मान में अमृता एयर, वरलक्ष्मी सरथकुमार, विनय रॉय और राज दीपक शेट्टी भी अहम रोल में नजर आ रहे हैं. बता दें कि ये फिल्म तेलुगू के अलावा तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषाओं में रिलीज हुई.

नूतन की पोती प्रनूतन को हॉलीवुड में मिला मौका, सलमान ने कराए थे बॉलीवुड के दर्शन

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री नूतन की सुंदरता और शानदार अभिनय के चर्चे आज भी किए जाते हैं।फिल्मों में अपनी उपस्तिथी से लोगों को मंत्रमुग्ध करने वाली नूतन की पोती और अभिनेता मोहनीश बहल की बेटी प्रनूतन बहल इस समय सुर्खियों में हैं।अपनी दादी की तरह ही खूबसूरती को लेकर चर्चा बटोरने वाली प्रनूतन अब हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैंचलिए जानते हैं उनकी पहली हॉलीवुड फिल्म के बारे में।

प्रनूतन अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म कोको एंड नट में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रनूतन जल्द ही कोको एंड नट में अमेरिकी अभिनेता और फिल्म निर्माता रहसान नूर के साथ हॉलीवुड में कदम रखेंगी।यह एक रोमांटिक फिल्म बताई जा रही है। इसका निर्देशन नूर करने वाले हैं।रहसान को 2०18 में आई उनकी फिल्म बंगाली ब्यूटी के लिए जाना जाता है। इस फिल्म को समीक्षकों ने भी खूब सराहा था।

फिल्म की कहानी एक महिला की है, जिसका किरदार प्रनूतन ने निभाया है।वह अपनी शादी बचाने की कोशिश कर रही है, जिसमें उसे काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कहानी में मोड़ तक आता है जब उसका कॉलेज प्रेमी (नूर) इसमें उसकी मदद करता है।फिल्म का निर्माण अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में होगा।इसकी पूरी शूटिंग जून से जुलाई तक शिकागो में होगी। इसमें अमेरिका-भारत दोनों के कलाकार शामिल होंगे। यह 2०25 में रिलीज होगी।

प्रनूतन ने कहा, मैं हमेशा से एक रोमांटिक ड्रामा करना चाहती थी। कोको

एंड नट एक खूबसूरत कहानी है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैंने ऐसी फिल्म के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत की।नूर ने कहा, मैं अपनी मातृभूमि की फिल्मों के प्रति प्रेम के साथ बड़ा हुआ हूं, इसलिए हम अंग्रेजी और हिंदी में कोको एंड नट बना रहे हैं। इस फिल्म में प्रनूतन के साथ काम करना सौभाग्य की बात है।

प्रनूतन ने अपने करियर की शुरुआत एसेंशियल लाइक नो अदर नाम की शॉर्ट फिल्म से की थी।हालांकि, बॉलीवुड में कदम उन्होंने 2०19 में आई सलमान खान की फिल्म नोटबुक से किया था, जिसमें उनके साथ जहीर इकबाल नजर आए थे।इसके साथ ही अभिनेत्री सतराम रमानी की 2०21 में आई कॉमेडी फिल्म हेलमेट नजर आई थीं। इसमें अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार शामिल थे। उन्हें उनके अभिनय के लिए प्रशंसा मिली थी।

वरुण तेज-मानुषी छिल्लर स्टारर ऑपरेशन वैलेंटाइन की नई रिलीज डेट आई सामने

मेगा प्रिंस वरुण तेज की पहली बॉलीवुड परियोजना ऑपरेशन वेलेंटाइन ने आकर्षक पोस्टर, एक मनोरंजक टीजर जिसने एक शानदार एक्शन थ्रिलर का वादा किया था, और पहले एकल वंदे मातरम ने गणतंत्र दिवस से पहले देशभक्ति की लौ प्रज्वलित कर काफी उत्साह पैदा किया।

इस बीच, इस बहुप्रतीक्षित तेलुगु-हिंदी द्विभाषी के निर्माताओं ने एक नई रिलीज़ तारीख की घोषणा की।

ऑपरेशन वैलेंटाइन 1 मार्च को दुनिया भर में नाटकीय रूप से रिलीज होगी। फिल्म के लिए प्रचार गतिविधियां जोरों पर हैं। मिकी जे मेयर द्वारा बनाए गए पहले सिंगल का वाघा बॉर्डर पर अपनी तरह के पहले तरीके से अनावरण किया गया। और, निर्माता प्रमोशन में तेजी लाने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि फिल्म एक महीने में सिनेमाघरों में आ जाएगी।

मानुषी छिल्लर जो अपना तेलुगु डेब्यू कर रही हैं, उन्हें एक रडार ऑफिसर के रूप में देखा जाएगा। फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन देश की वायु सेना के नायकों के अदम्य साहस और देश की रक्षा के लिए उनके सामने आने वाली चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती है।

ऑपरेशन वैलेंटाइन शक्ति प्रताप सिंह हाडा द्वारा निर्देशित और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस, संदीप मुद्धा की रेनेसां पिक्चर्स द्वारा निर्मित और गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट (वकील खान) और नंदकुमार अब्बिनेनी द्वारा सह-निर्मित है।

अदालत का इजराइल को आईना!

श्रुति व्यास

गत माह 26 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने हिम्मत का काम किया। अमरीका और उसके मित्र देशों को आईना दिखाया। दक्षिण अफ्रीका ने इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाते अदालत में मामला दायर किया था। उसी पर प्रारंभिक फैसला सुनाते हुए न्यायालय के 17 में से 15 जजों (जो दुनिया भर के प्रतिष्ठित विधिवेत्ता हैं) ने कहा कि यह मुमकिन है कि इजराइल फिलिस्तीनियों का कत्लेआम कर रहा हो।

यह फैसला निश्चित तौर पर उन 23 लाख फिलिस्तीनियों की जीत है, जिनके अस्तित्व पर खतरा हर दिन गहराता जा रहा है। सवाल है फैसले का क्या मतलब है? पहला तो यह कि दक्षिण अफ्रीका की卐तात्कालिक कदम उठाए जाने卐 की दरखास्त मंजूर हुई है और अदालत ने एक तरह का अस्थायी आदेश जारी कर दिया है। इसके तहत इजराइल को यह आदेश है कि वह ऐसे कदम उठाए जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि जब तक मामला लंबित है, तब तक आगे और नरसंहार न हो। मगर फैसले में युद्धबंदी की बात नहीं कही गई है, जैसी कि दक्षिण अफ्रीका को उम्मीद थी। यह इजराइल के लिए राहत की बात है। उसने नरसंहार के आरोप को गलत बताया है और प्रारंभिक फैसले की भर्त्सना की है।

इजराइल को इस तरह के 'आदेशों' से निपटना आता है। सन 1982 में संयुक्त राष्ट्रसंघ की जनरल असेंबली ने बेरूत (लेबनान) में स्थित साबरा और शातिला शरणार्थी शिविरों में नरसंहार के लिए इजराइल को ज़िम्मेदार ठहराया था। यह प्रस्ताव 123 बनाम शून्य वोटों से पारित हुआ था। अमेरिका ने मतदान में भाग नहीं लिया था। तीन दिन तक चले इस कत्लेआम के शिकार मुख्यत: बच्चे और महिलाएं थीं और इसे एरियल शेरॉन, जो आगे चलकर इजराइल के प्रधानमंत्री बने, की निगरानी में अंजाम दिया गया था। स्वयं इजराइल द्वारा नियुक्त एक स्वतंत्र आयोग ने कत्लेआम के लिए शेरॉन को दोषी ठहराया था। मगर किसी की जवाबदेही तय नहीं की गई।

यद्यपि 26 जनवरी का आदेश प्राथमिक है और अंतिम फैसला आते-आतेकई साल गुजर जाएंगे मगर यह सही दिशा में पहला कदम है। यह शुभ है। आखिरकार, क्या यह कम है कि अंतत: एक शीर्ष संस्था ने यह माना है कि इजराइल कुछ गलत कर रहा है। इस आदेश का राजनैतिक प्रभाव ज्यादा अहम है और उसमें ठीक-ठीक क्या लिखा है इससे विशेष अंतर नहीं पड़ता। अदालत ने स्वीकार किया है कि गाजा में बड़े पैमाने पर लोग कष्ट भोग रहे हैं और जोर दिया कि जो मानवीय संकट वहां है, उसे और गंभीर नहीं होने दिया जा सकता। इससे इजराइल-गाजा टकराव का राजनैतिक नैरेटिव बदलेगा। और राजनैतिक कार्यवाही के नए रास्ते खुल सकते हैं। फैसले के तुरंत बाद यूरोपीयन यूनियन ने कहा कि आईसीजे के निर्णय का 卐तुरंत, पूर्ण और प्रभावकारी कार्यान्वयन卐 होना चाहिए और यह भी कहा कि इस तरह के आदेश 卐दोनों पक्षों पर बंधनकारी होते हैं और उन्हें इनका पालन करना चाहिए।卐

हालाँकि अमेरिका ने आदेश की निंदा की और कहा कि उसे 卐अब भी यह विश्वास है कि कत्लेआम के आरोप बेबुनियाद हैं卐 और यह भी कि न्यायालय ने यह नहीं कहा है कि वहां कत्लेआम हो रहा है और ना ही उसने युद्धबंदी की बात की है। यह अपेक्षित था क्योंकि अमेरिका काफी समय से इस कोशिश में लगा है कि वो इजराइल द्वारा किये जा रहे जुल्मों को अनदेखा करे। इसके पीछे राजनैतिक और कूटनीतिक कारण हैं। मानवीय करुणा पर राष्ट्रीय हित हमेशा भारी पड़ते हैं।

इजराइल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन पर प्रश्न उठाना तो दूर रहा, अमेरिका, इंग्लैंड और अन्य पश्चिमी देशों ने यूएनआरडब्ल्यूए (संयुक्त राष्ट्र संघ की फिलिस्तीन के लिए राहत और निर्माण एजेंसी) की फंडिंग बंद कर दी। और वह भी मात्र इसलिए कि ऐसा बताया जाता है कि एजेंसी के 13,००० कर्मियों में से 12 ने इजराइल के हमास पर 7 अक्टूबर 2०23 के हमले में भाग लिया था। इस आरोप की जांच एजेंसी कर रही है।

बेंजामिन नेतन्याहू की बर्बरता पर चुप्पी साध कर और आईएसजे के फैसले का सम्मान न कर, अमेरिका अपनी विश्वसनीयता और सम्मान खो रहा है। पूरी दुनिया में इजराइली गुस्से का शिकार बन रहे हैं। और अब अमेरिकी भी बनेंगे। इजराइल को लगातार बिना शर्त अपना पूरा समर्थन देकर जो बाइडन और उनकी सरकार दुनिया को यह कहने का मौका दे रही हैं कि वे भी इजराइल द्वारा किये जा रहे नरसंहार के लिए दोषी हैं। बाइडन और ब्लिंकेन ने 2०21 में सत्ता सम्हालते समय बड़े जोरशोर से वायदा किया था कि मानवाधिकारों को वे अमेरिकी विदेश नीति के केन्द्र में रखेंगे। बाइडन प्रशासन ने कहा था कि वो 卐ऐसी दुनिया के प्रति प्रतिबद्ध हैं जहाँ मानवाधिकारों की रक्षा होती है, मानवाधिकारों के रक्षकों का सम्मान होता है और जो मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हैं, उन्हें जवाब देना होता है卐।

मगर अब यह साफ़ है कि उनका पाखंड वैश्विक स्तर का है। वे व्लादिमीर पुतिन को विलेन बताते हैं और यूक्रेन में मानवाधिकारों के लिए लड़ते हैं। मगर जब बात बीबी की आती हैं तो वे पलटी मार देते हैं। गाजा में उन्हें मानवाधिकारों का उल्लंघन नजर नहीं आता। बाइडन पर पहले से ही पुष्पवर्षा नहीं हो रही है। और अगर अब भी अमेरिका गाजा और उसके लोगों को बर्बाद करने से इजराइल को नहीं रोकता है तो आने वाले कई दशकों तक अमेरिकी विदेश नीति पर लगा यह धब्बा धुल न सकेगा।

दक्षिण भारत की भाजपा की योजना

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन और बिहार में गठबंधन तुड़वा कर नीतीश कुमार को अपने साथ लाने ने के बाद भाजपा नेता उत्तर भारत और हिंदी भाषी प्रदेशों में अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं। लेकिन इस बार भाजपा ने सिर्फ बहुमत हासिल करने या तीन सौ सीट जीतने का लक्ष्य नहीं रखा है, बल्कि अबकी बार चार सौ पार का नारा दिया है। भाजपा चार सौ सीट जीतने का लक्ष्य लेकर लडने उतरेगी। यह लक्ष्य तभी हासिल होगा, जब दक्षिण भारत में भी भाजपा का प्रदर्शन सुधरे। अभी तक दक्षिण भारत में एक कर्नाटक को छोड़ कर भाजपा बाकी राज्यों में हाशिए की पार्टी रही है।

तमिलनाडु और केरल ये दो राज्य ऐसे हैं, जहां भाजपा को लग रहा है कि वह पैर जमा सकती है। तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दौरे कर रहे हैं। उनके दौरों और भाजपा की रणनीतियों का नतीजा यह हुआ है कि केरल के एक बड़े नेता पीसी जॉर्ज ने अपनी पार्टी का विलय भाजपा में कर दिया है। वे छह बार के विधायक हैं और बड़े कैथोलिक ईसाई नेता हैं। सुरेश गोपी को पहले ही भाजपा ने अपने साथ जोड़ा है। सो, भाजपा केरल में खाता खोलने की उम्मीद कर रही है। इसी तरह तमिलनाडु में उसकी नजर वीके शशिकला के भतीजे टीटीवी दिनाकरण पर है। दिनाकरण ने अभी तक चुनाव लडने का फैसला नहीं किया है। उनकी पार्टी एआईएमएम का अच्छा खासा आधार है। ध्यान रहे अन्ना डीएमके ने भाजपा का साथ छोड़ दिया है। तो भाजपा दिनाकरण की पार्टी के साथ तालमेल कर सकती है।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 70

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 69 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

बिहार में राजनीतिक नैतिकता गटर में

हरिशंकर व्यास

झारखंड में अगर संवैधानिक मर्यादा का मजाक बना तो उससे पहले बिहार में राजनीतिक नैतिकता का मजाक बना। सोचें, ये दोनों घटनाएं अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के बाद हुई हैं। भाजपा और हिंदुवादी संगठन महीनों से प्रचार कर रहे थे कि राम आएंगे। फिर राम आ गए। लेकिन क्या राम के साथ उनकी मर्यादा भी आई है? क्या यही राम की मर्यादा है कि फायदे के लिए जानी दुश्मन को भी गले लगा लो या फायदे के लिए संवैधानिक व राजनीतिक मर्यादा को ताक पर रख दो? क्या भगवान राम ने अयोध्या की गद्दी पर बैठने के लिए इस तरह के काम किए थे? कथित तौर पर राम को लाने वालों को क्या राम की मर्यादा, वीरता, साहस, विनम्रता, त्याग, उद्दात चरित्र का जरा सा भी पालन नहीं करना चाहिए?

भाजपा के नेता पानी पी-पीकर नीतीश को कोस रहे थे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई बार बिहार जाकर ऐलान किया था कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के खिड?ी दरवाजे सब बंद हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा अब किसी को कंधे पर नहीं बैठाएगी। भाजपा के प्रदेश के नेता रोज नीतीश को गालियां दे रहे थे और नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लडने का ऐलान कर रहे थे। लेकिन अचानक किसी फीडबैक से भाजपा को लगा कि बिना नीतीश के चुनाव लडने पर भाजपा को नुकसान हो सकता है। इसलिए सारी बातें भूल कर उनको फिर से गले लगा लिया गया। रातों रात नीतीश कुमार फिर सुशासन बाबू बन गए। प्रधानमंत्री उनको बधाई और शुभकामना देने लगे और राज्यपाल ने पलक झपकते उनकी सरकार बनवा दी। उनके सारे अवगुण धुल गए। उन्होंने विपक्ष को एकजुट किया था और 'इंडिया' के गठन की नींव रखी थी। उन्होंने केंद्र की सरकार से भाजपा को हराने का संकल्प किया था। नीतीश ने हिसाब बताया था कि 5० सीटें कम कर दी जाएं तो भाजपा का बहुमत कम हो जाएगा। वह 272 के जादुई आंकड़े से नीचे आ जाएगी। तभी भाजपा चिंता में थी और चिंता दूर करने का तरीका यह निकाला गया कि नीतीश कुमार को फिर मुख्यमंत्री बना कर उनको अपने साथ मिला लिया गया।

सोचें, बिहार में नीतीश कुमार को भाजपा ने अपना जानी दुश्मन माना था। जब वे पहली बार भाजपा को छोड़ कर गए थे तब नरेंद्र मोदी ने उनके डीएनए में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। असल में मोदी का उनसे विवाद बरसों पुराना है, जब नीतीश बिहार के मुख्यमंत्री थे और भाजपा जूनियर पार्टनर थी, तब सन 2०1० में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पटना में हुई थी और नीतीश कुमार ने भाजपा के सभी नेताओं को रात्रिभोज का न्योता दिया था। जिस दिन रात्रिभोज रखा गया था उसी दिन बिहार के अखबारों में गुजरात के तब के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का एक विज्ञापन छप गया, जिसमें किसी चुनाव प्रचार के दौरान वे नीतीश कुमार का हाथ उठा कर खड़े हैं। इस विज्ञापन से नीतीश इतना भड? कि उन्होंने रात्रिभोज रद्द कर दिया। उसके बाद उन्होंने ऐलान किया था कि अगर भाजपा मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाती है तो वे तालमेल खत्म कर लेंगे। उन्होंने 2०13 में भाजपा की घोषणा के बाद तालमेल खत्म कर लिया। उसके बाद ही मोदी ने उनके डीएनए में गड़बड़ी का आरोप लगाया था।

इसके बाद चार साल तक दोनों पार्टियां अलग अलग रहीं। 2०14 के लोकसभा चुनाव में मोदी ने नीतीश को हराया तो 2०15 के विधानसभा चुनाव में नीतीश ने लालू प्रसाद के साथ मिल कर मोदी को शिकस्त दी। लेकिन दो साल बाद 2०17 में भाजपा अपने सारे अपमान भूल गई और नीतीश कुमार के साथ मिल कर बिहार में सरकार बना ली। 2०15 के चुनाव की हार से भाजपा ने यह सबक लिया कि चाहे उसने नीतीश को कुछ भी कहा हो या नीतीश ने उसक साथ कुछ भी किया हो चुनाव नीतीश के बगैर नहीं लडना है। अभी तो लोकसभा चुनाव है, जिसमें नरेंद्र मोदी की सत्ता दांव पर लगी है। इसलिए भी कोई जोखिम लेने का सवाल नहीं था।

चोरी के समान सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। आर्मी कैंट के आवासीय परिसर से सामान चुराने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने चोरी किए गए सामान सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी आर्मी कैंट का सफाई कर्मी है जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 30 जनवरी को हरपाल सिंह, पुत्र स्व. सरवन सिंह, ठेकेदार आर्मी कैंट बनबसा, ने थाना बनबसा में तहरीर देकर बताया गया कि उनका आर्मी कैंट में पुराने आवासीय परिसरों के मरम्मत का काम चल रहा है । निर्माण कार्य के लिए लाया गया सामान उनके द्वारा एक कक्ष में रखा गया था। जो विगत कुछ समय से चोरी हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गई। चोर की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बीती शाम एक सूचना के बाद उक्त चोरी में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके कब्जे से चुराया गया माल भी बरामद कर लिया गया है। पूछताछ में उसने अपना नाम अरुण पुत्र प्रेमपाल, उम्र 22 वर्ष, निवासी आर्मी कैंट, बनबसा बताया। बताया कि वह आर्मी कैंट के अंदर साफ सफाई का काम करता हैं। उसने पिछले तीन-चार महीने में छोटे-छोटे सामान की चोरी कर उसे अपने खर्च चलाने के लिए नेपाल में बेच दिया है। आज भी सामान लेकर वह वहीं जा रहा था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

मारपीट कर बाउंड्रीवाल तोडने पर पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर बाउंड्रीवाल तोडने के मामले में पुलिस ने पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आनंद चौक निवासी मंजुल गुप्ता ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी शिमला बाईपास में सम्पत्ति है जिसपर उसने बाउंड्रीवाल करा रखी है। उसने बताया कि वहीं के रहने वाले परवेज अंसारी व उसके पिता शमीम अंसारी ने अपने साथियों के साथ उसकी सम्पत्ति पर जाकर उस पर कब्जा करने की नियत से बाउंड्रीवाल तोड दी तथा उसके विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की ध मकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भाव विभोर महेंद्र भट्ट बोले मेरी पार्टी ने..

इन क्षेत्रों में आपदाओं का सिलसिला हमेशा जारी रहता है लोगों के जान माल की हिफाजत होनी चाहिए।

लोकसभा चुनाव के बारे में उन्होंने कहा कि हमने इसकी बड़ी तैयारी की है हर एक सीट पर 5 लाख से अधिक मतों से जीत का लक्ष्य रखा गया है। हम सभी पांचो सीटों पर बड़ी जीत हासिल करने जा रहे हैं इसमें कोई संदेह नहीं है। कई मंत्रियों व विधायकों के टिकट की दावेदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि सभी का हक है वह अपनी दावेदारी कर सकते हैं लेकिन पार्टी हाई कमान को ही तय करना है कि किस सीट से कौन प्रत्याशी होगा हमारी पार्टी प्रत्याशी के नाम नहीं कमल के फूल के चुनाव चिन्ह को जिताने के लिए चुनाव लड़ती है। बजट सत्र गैरसैण की बजाय दून में कराने के सवाल पर उन्होंने कहा कि विधानसभा का सत्र कहां होगा समिति को तय करना है।

गडकरी ने दी टनकपुर को 22 करोड़ की...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

बात करते हैं। आज टनकपुर में जिन सात विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और भूमि पूजन हुआ है यह उस सवाल का जवाब ही है। उन्होंने कहा कि पुरानी सरकारों के समय में सिर्फ वायदे होते थे और अब काम होता है। उन्होंने कहा कि हमने 2022 में यूसीसी लाने का संकल्प किया था और हम यूसीसी विधेयक विधानसभा में पारित कर चुके हैं।

धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड को देश का अग्रणीय प्रदेश बनाने और यह दशक उत्तराखंड के विकास का दशक होने का संकल्प किया था आज हम अपने इस विकल्प रहित संकल्प को पूरा करने की ओर जी जान से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में जिस तेज गति से विकास हो रहा है उसे देखकर कोई भी कह सकता है कि उत्तराखंड अब अग्रणीय राज्य बनकर रहेगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि 282 करोड़ की योजनाओं से टनकपुर क्षेत्र की काफी समस्याएं हल हो गई हैं। उन्होंने कहा कि टनकपुर में हर साल 50 लाख से अधिक लोग आते हैं। इसलिए भी टनकपुर का विकास हमारे लिए सबसे अहम था उन्होंने कहा कि मैं नितिन गडकरी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिनके सहयोग व स्नेह से यह सब हो सका है और हो रहा है।

एक करोड की धोखाधडी में एसटीएफ ने किया हवाला ऑपरेटर को गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एक करोड की साइबर ठगी करने वाले हवाला ऑपरेटर को एसटीएफ ने महाबलेश्वर से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ पूरे देश भर में 159 मुकदमें दर्ज हैं।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को एक प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ जिसमें अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल नम्बर अन्य नम्बरो से पीडित को व्हटसप के माध्यम से सम्पर्क कर स्वंय को लिसा नाम से बताते हुये वेबसाईट पर मुयचल फंड में धनराशि लगाकर लाभ कमाने का लालच देकर एक करोड रुपये की ऑनलाईन धोखाधडी किये जाने सम्बन्धी शिकायत के आधार पर साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन उत्तराखण्ड मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच में तकनीकी विश्लेषण कर साक्ष्य एकत्रित करते हुये अभियोग में एक और आरोपी यूसुफ मिर्जा खान पुत्र मिर्जा बोला खान निवासी साल्ड पैन रोड, बिहाईड संगम नगर पुलिस स्टेशन, हिन्दुस्तान नगर, वडाला ईस्ट मुम्बई सिटी महाराष्ट्र को महाबलेश्वर महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा पीडित के मोबाईल नम्बर पर मलेशिया से व्हाट्सएप पर एक मैसेज कर अच्छा रिटर्न प्राप्त करने के लिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने की सलाह दी गयी जिसमें पीडित द्वारा पेटीएम के माध्यम से 10 हजार रुपये की राशि के साथ शुरुआत की गयी, आरोपी द्वारा पीडित को लुभाने हेतु भारतीय बैंकों का इस्तेमाल किया गया, जिसके पश्चात धीरे-धीरे जब पीडित को उचित रिटर्न मिलना शुरू हुआ तो उनके द्वारा भारतीय बैंकों में पैसा लगाकर अपनी राशि बढ़ाकर लगभग 30 लाख रुपये कर दी, इसी तरह आरोपी द्वारा पीडित के साथ भारतीय बैंकों के माध्यम से लगभग एक करोड़ रुपयों की धोखाध ड़ी की गयी तथा धोखाधडी से प्राप्त ध नराशि को विभिन्न बैक खातो में प्राप्त कर उक्त धनराशि का प्रयोग करते है। आरोपियों द्वारा उक्त कार्य हेतु फर्जी सिम आईडी कार्ड का प्रयोग कर अपराध कारित किया जाता है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार गृह मंत्रालय के सहयोग से आरोपी से बरामद विभिन्न बैंक खातों मोबाइल नंबरों का भी गहनता से जांच में विश्लेषण किया गया है जिसमें आरोपी के ऊपर 159 मुकदमे एवं 3272 आपराधिक लिंकेज जो देश के सभी राज्यों में एवं केंद्र शासित प्रदेशों में मिले। इससे पूर्व इसके दो अन्य साथियों महमीद सरीफ पुत्र सुलेमान निवासी मार्केट रोड बड़ा उडिपि कर्नाटका व वैश्यक उनीकृष्णन् पुत्र उनीकृष्णन् निवासी ओलेसरी हाऊस पल्लथ रोड, कोडूगंलूर पुलुट त्रिशूर, केरला, को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

ब्लेड से हमला कर घायल किया

संवाददाता

देहरादून। ब्लेड से हमला कर युवक को गम्भीर रूप से घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्खीबाग निवासी विशाल अहमद ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाले अदनान पुत्र मौहम्मद महताब ने उसके बेटे के साथ मारपीट करते हुए उसके गाल पर ब्लेड से हमला कर उसको गम्भीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हल्द्वानी हिंसा: घटना में घायल एक व्यक्ति की अस्पताल मे मौत

नैनीताल (हसं)। हल्द्वानी में हिंसक बवाल के दौरान गोली लगने से घायल हुए वनभलपुरा निवासी एक व्यक्ति की आज अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गयी। जिसके सिर में गोली लगी थी और जो आर-पार हो गई थी।

बीते 8 फरवरी को अतिक्रमण हटाने जब प्रशासन पहुंचा तो ध्वस्तीकरण के दौरान वनभलपुरा के निवासियों ने पुलिस एवं प्रशासन पर पथराव कर दिया, न सिर्फ पथराव बल्कि दंगाइयों ने पेट्रोल बम और गोलियां भी चलायी, पथराव करने वालों में बच्चे, महिलाएं, पुरुष सभी थे। इस दौरान कई पुलिस जवान एवम पत्रकार भी घायल हो चुके थे। जब हालात बेकाबू हुए तो पुलिस को दंगाइयों को गोली मारने के आदेश दे दिए गए, ताकि पुलिस के जवान एवं प्रशासन के अधिकारियों को बचाया जा सके। हालात इतने बेकाबू थे कि दंगाइयों ने वनभूलपुरा थाना तक जला डाला। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वनभलपुरा के कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें से आज सुबह सुशीला तिवारी अस्पताल में इशरार की मौत हो गई है।

नशे की लत ने बना दिया चोर, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा पूर्ति के चलते वाहन चोरियों में जुटे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से दो स्कूटी व एक बाइक बरामद की गयी है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना सिडकुल पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान आईएमसी चौक के पास स्कूटी सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोकना चाहा तो वह स्कूटी मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। स्कूटी के कागजात मांगने पर वह बगलें झांकने लगे। सख्ती से की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम अमन पुत्र राजू थापा व पीयूष शर्मा उर्फ गोलू पुत्र बाबूराम निवासी गली नंबर 9 शिवालिक गंगा विहार नवोदय नगर सिडकुल बताया। साथ ही कबूल किया कि उक्त स्कूटी चोरी की है। जिन्हे वह बेचने जा रहे थे। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी की एक अन्य स्कूटी व एक बाइक बरामद कर ली है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे के आदी है जो नशा पूर्ति के लिए ही वाहन चोरियों की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे।

❑दो स्कूटी व एक बाइक बरामद

एक नजर

भाजपा में शामिल हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण

मुंबई। महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने हाल ही में कांग्रेस छोड़ दी। कांग्रेस के पूर्व एमएलसी अमर राजुरकर भी बीजेपी में शामिल हो गए। चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा, मैं मुंबई स्थित भाजपा कार्यालय जाकर भाजपा में शामिल हुआ। आज मेरे जीवन के नए राजनीतिक करियर की शुरुआत है। जब चव्हाण से यह पूछा गया कि क्या उन्हें वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कोई फोन किया, तो उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया।

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख आशीष शेलार समेत अन्य लोग शामिल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री एस बी चव्हाण के बेटे अशोक चव्हाण ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस छोड़ना उनका स्वतंत्र फैसला है। उन्होंने अपने इस फैसले का कोई विशेष कारण नहीं बताया। महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं बाबा सिद्दीकी और मिलिंद देवड़ा ने भी कुछ दिन पहले पार्टी छोड़ दी थी। चव्हाण मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़ जिले के रहने वाले हैं। वह 2014-19 के दौरान कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख भी थे। उन्होंने भोकर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया था और वह नांदेड़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद भी रह चुके हैं।

कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी इंद्रजीत सिंह गोसल के घर पर फायरिंग

नई दिल्ली। कनाडा पुलिस ने दावा किया है कि ओंटारियो प्रांत में इंद्रजीत सिंह गोसल के घर पर भारी गोलीबारी की गई है। इंद्रजीत सिंह गोसल एक खालिस्तानी अलगाववादी है, जो अमेरिका में रहने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून का खास दोस्त है और कनाडा में लोगों को गुमराह करता है। कनाडा पुलिस

के एक कांस्टेबल टायलर बेल-मोरेना ने कहा है, कि इंद्रजीत सिंह गोसल के घर की खिड़की में गोली के निशान मिले हैं। हालांकि, पुलिस ने कहा है, कि गोलीबारी में कोई घायल नहीं हुआ क्योंकि ब्रैम्पटन के ओंटारियो में अभी इंद्रजीत सिंह गोसल का घर अभी बन ही रहा है। पुलिस ने कहा है, कि इंद्रजीत सिंह गोसल कौन है और उसका संबंध किससे है, वो हम समझते हैं, लेकिन फिलहाल हमारे लिए यह अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी, कि इसका अन्य हिंसा और धमकियों से कोई संबंध है या नहीं। वहीं, पन्नुन ने कहा, कि यह घटना ड्राइव-बाय शूटिंग थी। इस महीने की शुरुआत में लोगों के एक समूह ने निज्जर के सहयोगी सिमरनजीत सिंह के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित घर पर भी गोलीबारी की थी। कनाडाई मीडिया के अनुसार, दो कनाडाई किशोरों को बंदूक गोली दागने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, लेकिन अभी तक पुलिस मकसद का पता नहीं लगा पाई है। ये दोनों मामले विदेश में रहने वाले कट्टरपंथी सिख अलगाववादियों पर केंद्रित हैं।

पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव होंगे बिहार विधानसभा के नए अध्यक्ष!

पटना। बिहार विधानसभा के नये अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने आज नामांकन किया। नामांकन के मौके पर उनके साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावे दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। नंदकिशोर यादव ने आज सुबह 10:30 बजे अपना नामांकन किया। यदि महागठबंधन के तरफ से कोई नामांकन होता है तो फिर बाकी उम्मीदवारों का फैसला 15 फरवरी को होगा। उल्लेखनीय है कि 15 फरवरी को बिहार विधानसभा अध्यक्ष के लिए चुनाव होना है। वहीं,

विपक्ष की तरफ से अगर उम्मीदवार नहीं खड़ा होता है तो सर्वसम्मति से नंदकिशोर यादव अध्यक्ष बन जाएंगे। वहीं, विपक्ष की तरफ से कोई खड़ा होता है तो फिर मतदान होगा। इस बीच नंदकिशोर यादव का विधानसभा अध्यक्ष बनना तय है। इधर, विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने के बाद नंदकिशोर यादव ने कहा कि आप सभी के सहयोग की उम्मीद है। इसके लिए मैं केन्द्रीय नेतृत्व, पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्री का आभार प्रकट करता हूं और धन्यवाद देता हूं।

हड़ताल से दून अस्पताल में आज भी रही स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

हमारे संवाददाता

देहरादून। उपनल और टीडीएस कर्मचारियों की हड़ताल से आज भी दून मेडिकल कालेज की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रही। ओपीडी में आज सुबह से ही भारी भीड़ दिखायी दी तो वहीं स्थिति का जायजा लेने अपर सचिव स्वास्थ्य भी अस्पताल पहुंचे।

प्रदेश के सबसे बड़े अस्पतालों में शुमार दून मेडिकल कालेज की स्वास्थ्य सेवाएं आज भी प्रभावित रही। बता दे कि मांगों पर कार्यवाही न होने से उपनल कर्मचारी व टीडीएस कर्मचारी हड़ताल पर है। जिससे चिकित्सालय में पंजीकरण से लेकर मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। उपनल कर्मचारियों के हडताल पर चले जाने के बाद से दून चिकित्सालय में भी मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। जबकि दून अस्पताल के डिप्टी एमएस डॉ. धनजय डोभाल ने ओपीडी के डाक्टरों से साफ कह दिया है कि सभी मरीज देखने के बाद ही ओपीडी से जाएं। अगर किसी मरीज का पर्चा 15 दिन पुराना है तो उसे पुराने पर्चे पर ही देखा जाए। आज दून

❑जायजा लेने पहुंचे अपर सचिव स्वास्थ्य

चिकित्सालय प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था जरूर की पर यह इंतेजाम नाकाफी साबित हुए। सप्ताह के दूसरे दिन भी मरीजों को पंजीकरण व बिलिंग काउंटर पर पैरामेडिकल छात्रों व इंटर्न की डयूटी लगायी गयी है लेकिन उन्हें इस काम का अनुभव ना होने के कारण पर्चे बनाने में लम्बा समय लग रहा है। मरीजों के तिमारदारों को घंटो लाइन में खडा रहना पड रहा है। स्थिति यह है कि पंजीकरण व बिलिग काउंटर पर लम्बी कतार लगनी रही जबकि चिकित्सकों के कक्ष के बाहर नाम मात्र की ही भीड दिखायी दी। इन दिक्कतों के चलते कई मरीज तो बगैर चिकित्सक को दिखाए ही वापस चले गये। इसी तरह उपनल कर्मियों के न होने के कारण वार्डो में भी काम प्रभावित रहा। वही कालेज प्रबंधन का दावा है कि हडताल के बावजूद व्यवस्था दुरूस्त रखी गयी है।

खड़ी बस में लगी आग

देहरादून (हसं)। देर रात एक खड़ी बस में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण प्रथमदृष्टया शाट सर्किट माना जा रहा है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार बीती रात लगभग 12.40 बजे थाना रायपुर को सिटी कंट्रोल के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि रांझावाला रायपुर के पास एक खडी बस में आग लग गयी है। सूचना पर तत्काल थानाध्यक्ष रायपुर मय फोर्स मौके पर पहुंचे, मौके पर फायर सर्विस को बुलाकर फायर सर्विस की मदद से आग को बुझाया गया। घटना के सम्बन्ध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त बस के स्वामी मनोज सिंह पुत्र दीवान सिंह निवासी रांझावाला रायपुर देहरादून है। उक्त बस जय दुर्गा ट्रेवल्स के नाम पर वाहन स्वामी द्वारा संचालित की जाती है तथा बुकिंग पर चलती है । रोज की भांति बीती रात को भी वाहन स्वामी द्वारा बस को उक्त स्थान पर खडा किया गया था । प्रथम दृष्टया बस में शार्ट सर्किट होने से आग लगना प्रतीत हो रहा है।

मोटरसाईकिल की टक्कर से महिला घायल

देहरादून। मोटरसाईकिल की टक्कर से महिला घायल हो गयी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एकॉन अरबन हिल्स अपार्टमेंट निवासी सत्यव्रत मुखर्जी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी घर के पास में खडी थी तभी एक युवक तेजी से मोटरसाईकिल के साथ वहां से गुजरा और उसकी पत्नी को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी।

बरेली से लाई गई 40 लाख की स्मैक सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बरेली से लाई जा रही 40 लाख की स्मैक सहित पुलिस व एसटीएफ टीम द्वारा दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना खानपुर व एसटीएफ टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की डिलीवरी हेतु आने वाले हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस व एसटीएफ टीम द्वारा क्षेत्र में संयुक्त चेकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को बालावाली चौक पोस्ट खानपुर के समीप दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। टीम द्वारा जब उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हें घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 400 ग्राम इसमें बरामद हुई। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम आजम पुत्र नूर हसन निवासी पथरी व अशरफ पुत्र मुनफेत निवासी पथरी बताया। बताया कि वह बरामद स्मैक बरेली से लाए थे जिसे उन्होंने कासमपुर पथरी क्षेत्र के फिरोज को देना था। बहरहाल पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब मामले में फिरोज की तलाश में जुटी हुई है। बरामद स्मैक की कीमत 40 लाख रुपए बताई जा रही है।

दुकान के बाहर से एक्टिवा चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान के बाहर से एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदिरानगर निवासी पवन सिंह बिष्ट ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह क्षेत्र में मीट लेने के लिए गया था। उसने अपनी एक्टिवा दुकान के बाहर खडी कर दी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।